

Rupesh Kumari
Roll No: OH722537

Q1 - i. वृहस्पति - 56

ii सिन्दूर पैदा करना

iii गुरु

iv 2-3 दिन

v अक्षता

vi बुध

vii बुध के BHV में रेखा की संख्या 52 होती है

viii

viii 7 वां भाग

ix आधी उम्र घटाना है

x

xi

xii नवें घर में वृषभ राशि में

xiii

मंगल के मिन्नाबक में बसोई घर के स्थान के लिये दिशा माचन

xiv

Topic _____

Date _____

XV

ऐसे व्यक्ति से दूर रहें जो आपकी सबसे कमजोर राशी में पैदा हुआ हो यह
जिनका लगन था चन्द्र राशी वह राशीयां हों या जिसकी जन्म घड़ी का भू-
चन्द्रमा को न्यूनतम बिन्दु प्राप्त हो। आरानी के मिनापल्ल में देखें

XVI

बुध

XVII

बुध के मिनापल्ल में सबसे ज्यादा जिस राशी में बिन्दु 5 से ज्यादा अंक हैं
उन राशीयों के उदय होने पर या उससे सम्बन्धित मोंर माह में

XVIII

राशि के परिणाम अच्छे होंगे।

Contd. ---

मुहूर्त भाग - ए

Ans 1 -

i) शक्रवार को नन्दा तिथी (1, 6, 11) और शनिवार को रिक्ता तिथी (4, 9, 14) की युति सिद्ध योग बनाती है।

ii

सोमवार को मृगशिरा नक्षत्र और बुधवार को अनुराधा नक्षत्र की युति अमृत सिद्ध योग बनाती है।

iii

हृषिक नक्षत्र - उक्ता, उक्ता, उक्ता, उक्ता ऐसे में जबल हृषिक नक्षत्र के कार्य करें। ये कार्य न करें - जैसे नौकरी छोड़ना, घर में जाना, यात्रा करना

iv

गर्गोदान और यात्रा के लिये जन्म तारा को त्यागना चाहिये।

v

आर्द्रा में जन्म लेने वाले के लिये मघा नक्षत्र प्रत्यारि तारा होगा।

vi

विष्णु मन्त्र व शूल योग

vii

शुक्र और शुक के अक्ष होने पर कर्णवेध और मुंडन संस्कार निषेध हैं।

viii

विष्णु मन्त्र का शूल योग हमेशा सूर्य के 19° होने पर मृत्यु पंचम इसमें विवाह आदि शुभ कर्म वर्जित हैं।

ix

अन्न प्राशन के लिये रिक्ता तिथियां (4, 9, 14), नन्दा तिथियां (1, 6, 11), आषट्मी, अमावस्या और द्वादशी तिथियों से बचना चाहिये।

x

दुकान खोलने के लिये मंगलवार और कुंज लगन का त्याग करें।

xi

xii

गौधुली मुहूर्त - गौधुली का समय वह होता है जिस समय गांधे चारागाह से घर वापिस आती है, यह मुहूर्त जिस समय से जिस समय तक रहता है इस पर विधिक मत हैं हम सूर्यास्त से आधी

घटी पहली (12 मिनट) और आधी घटी (12 मिनट) बाद का समय मान रहे हैं। विवाह का सही लगन निर्धारित करने में दिक्कत हो तो गौधुली मुहूर्त का आश्रय लिया जाता है। यह मुहूर्त तिथि, वार, करवा, नक्षत्र, वार, लगन नवाखा आदि के अनुसार समावों को नष्ट कर देता है।

आगिणीत मुहूर्त :- 27 नक्षत्रों के बाद एक अष्टादशवां नक्षत्र माना जाता है जिसे आगिणीत नक्षत्र कहते हैं। उत्तराषाढा नक्षत्र के आने के बाद और श्रवण नक्षत्र की प्रथम 4 घटी (श्रवण नक्षत्र का 1/15 वां भाग) आगिणीत नक्षत्र कहलाता है। मकर $6^{\circ}40'$ से मकर $10^{\circ}53'20''$ तक इस नक्षत्र का मान होता है।

XIII घंटे - आठवें गांव में - चन्द्रमा, शुक्र, लग्नेश नहीं होने चाहिए।
आठवें में - मंगल कुछ कृत्त्यति भी " " "

XIV 22 जून को शिपुलकर योग सुबह 5.25 से 16.22 तक
26 " " " " " 5.35 से 6.10 शाम तक

XV 16 जून को मकर 8:41 व.म. की 8:54 तक पूर्ण लीक
25 " " " 4:18 व.म. से 1:20 तक दफ़्तर पृथ्वीलोक

XVI अधिक भाग 18 जुलाई से शुरू होगा जो 16 अगस्त 2023 तक रहेगा।

XVII विषम शुद्ध लडके के लिये गोचर के सूर्य, चन्द्र के वल पर विचार होता है।
श्रावण भाग है इसलिए अधिक श्रावण कहा जाएगा।

XIX यदि रविवारकत करवी सोम को चित्रा, मंगल को उषा, बुधवार को धानिषा, गुरुवार को उषा, शुक्र को ज्येष्ठा, शनि को रेवती हो तो यह दमघ नाम का अशुभ योग है इसे विवाह आदि कार्यों में त्यागना चाहिए।

3 IV

महूर्त में अष्टक की कामलता -

महूर्त का समय वह होता है जब किसी कार्य विशेष को करने के शुभ समय की जाँच होती है। इसके लिये अष्टक की महत्वपूर्ण सूत्रिका निम्नलिखित हैं।

सूर्य का अष्टक + महूर्त = 5 में आधिक बिन्दु है किवाह धार्मिक कार्य कर सकते हैं

मङ्गल " " + " = ज्यादा बिन्दु है चलाकर सफर कर सकते हैं

शुक्र " " + " = चारों दिशाओं के बिन्दुओं में जहाँ जहाँ बिन्दु होंगे वहाँ धर बना सकते हैं

बुध " " + " = 5 में आधिक बिन्दु है तो शिक्षा के लिये अच्छा

शुक्र " " + " = धार्मिक कार्यों के लिये अच्छा

वाक " " + " = सबको जो रचना के लिये अच्छा

3 III

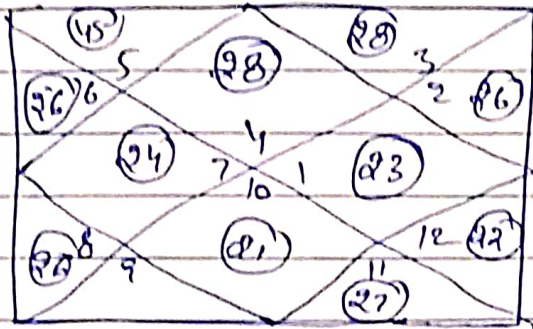
त्रिकोण शोधन :- त्रिकोणों में जिस राशि में सबसे कम बिन्दु होते हैं उसी बिन्दु को तीनों राशियों में से हटाना होता है

वृत्तशोधन :- वृत्तशोधन के अनुसार तीनों राशियों में जहाँ सन्ख्या समान नहीं है वहाँ सबसे कम सन्ख्या को समान कर देना चाहिये

फलदीप्ति :- तीनों राशियों में सन्ख्या समान है तो तीनों को 0 कर देना चाहिये

दो राशियों में सन्ख्या 0 होती तो तीसरी राशि की सन्ख्या 0 होना चाहिये

PART A.



$$1 \text{ માવ } (1 + 4 + 7 + 10) = 96$$

$$2 \text{ માવ } (2 + 5 + 8 + 11) = 124$$

$$3 \text{ માવ } (3 + 6 + 9 + 12) = 112$$

આધિકતક વિન્ડ માં કોઈ માં જોવે સુલભ્ય
માનાન્તરમાં

$$\text{મીઠા માં કિયુત} = 109$$

$$\text{બર્ક માં તુલા} = 123$$

$$\text{હીર માં કુત} = 103$$

થુવા કાવત્યા માવમાં આચી

$$\text{બન્ધુ (કેડે)} = 1/5/9 = 86 \text{ Points}$$

$$\text{સેવક માં} = 2/6/10 = 97$$

$$\text{જીવક માં} = 3/7/11 = 73$$

$$\text{દાતક માં} = 4/8/12 = 79$$

મોલક (કોડે) માં જ્યાં વિન્ડ બાકી નોંધાય કરેગા